डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 229 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 05 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

आग में जलने से किसान की मौत

नीमच, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के जीरन थाना क्षेत्र के ग्राम चल्दू में धनगर समाज के ईश्वर पिता सत्यनारायण की मौत हो गई। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बताया गया है कि मंगलवार शाम को देवरा के पास ईश्वर अपने पशु चरा रहे थे। वह देवरा परिसर में पड़े कचरे को जला रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक चक्कर आ गया। जिसके बाद वह जलते हुए कचरे में गिर गए। परिजनों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत ईश्वर को बड़े अस्पताल पहुंचाया। लेकिन, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जीरन पुलिस ने परिजनों की सूचना पर मर्ग कायम किया है। परिजनों का मानना है कि हार्ट अटैक के कारण मौत हुई है। पुलिस का कहना है कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। प्रारंभिक जांच में चक्कर खाकर आग में गिरने से मौत होना सामने आया है।

आजादी की लड़ाई के मैदान से राहुल के घुड़साल तक कांग्रेस

राहुल गांधी की सियासी अकल दाढ़ सचमुच कुछ और बड़े आकार की हो गई है। मामला 'बेहद धीमी गति के समाचार और वो भी किश्तों में' वाला है। दो दशक से अधिक के अपने राजनीतिक अनुभव के बाद राहुल अब तक केवल एक सच को समझ सके हैं। अपनी पार्टी यानी कांग्रेस का सच। इसलिए जब भोपाल में गांधी घोड़े की विविध किस्मों का उल्लेख करते हैं तो लगता है कि कम से कम इस सच को समझने की उनकी सामर्थ्य और साहस, दोनों विकसित हो रहे हैं। अब राहुल को पार्टी के घोड़ों की केटेगरी तय करना है। रेस का कौन है, बारात का कौन और लगंड़ा घोड़ा कौन है। लंगड़े घोड़ो को वे रिटायर करना चाहते हैं। अब राहुल ने अपने लिए कौन सी कैटेगरी तय की होगी, ये पाठक मायबाप खुदई तय कर लें तो बेहतर है।

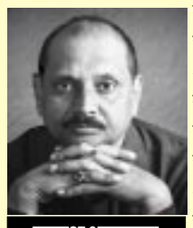
प्रकाश भटनागर

'बाराती किस्म' के घोड़ों से उन्हें नागवारी है। उन्हें असली घोड़े छांटने हैं, जिन पर एड़ लगाकर उन्हें राज्यों से लेकर केंद्र तक अश्वमेध की तरह दौड़ाया जा सके। राहुल को दौड़ते-दौड़ते दो दशक से ज्यादा हो गए। उनकी दौड़ को देख कर क्या लगता है आपको। या तो अस्तबल का मालिक मान लीजिए, नहीं तो तय कीजिए उनकी कैटेगरी। अलबत्ता, इस बात का खुलासा शायद खुद गांधी ही अपने किसी अगले भाषण में कर देंगे कि उन्हें पार्टी के लिए कितने हॉर्स पावर की जरूरत महसूस हो रही है? और क्या ऐसे मुफीद घोड़ो में शशि थरूर या सलमान खुर्शीद , पी चिदम्बरम भी गिने जाएंगे, जो फिलहाल रिंग मास्टर के कोड़े से बेखौफ नजर आने लगे हैं?

यहां दिवंगत शरद जोशी जी का व्यंग्य 'अंधों का हाथी' बेहद सरल रूप से याद आ रहा है। वही रचना, जिसके केंद्र में आंख पर पट्टी बांधे लोग हाथी को छूकर उसके बारे में अपनी-अपनी हास्यास्पद राय दे रहे हैं। तो क्या ये कांग्रेस में 'मुंदी आंख वालों का घोड़ा जैसा समय है? घोड़े और खच्चर की पहचान में आंख खोलकर आंख खोलने वाला सच कैसे बोला जाएगा? खुद राहुल सियासी शतरंज में घोडे की तरह ढाई घर चल-चलकर पसीना-पसीना हो गए, लेकिन साल 2014 से लेकर अब तक केंद्र सरकार के खिलाफ उनकी हर चाल मात में ही बदलती चली गई है। राहुल की पार्टी के वजीर तो खैर कोई नजीर पेश कर ही नहीं पा रहे, बाकी बादशाह वाली जमात में बैठे अन्य दिग्गज मोहरे भी प्यादा बनकर ही रह गए हैं। इस सबके चलते हुआ यह है कि कांग्रेस देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में सरपट दौड़ती-दौड़ती आज खुद ही अस्तबल में आकर खडी हो गई है।

जो अच्छे रेस के घोड़े हो सकते थे या हैं, वो परिवार के तांगे में जोत दिए गए हैं। बारात वाले घोडों के पास अधिकतर यही काम बचा है कि वो भाजपा विरोधी किसी भी पार्टी की सफलता के जश्न में खुद ही 'दूल्हे' के लिए अपनी पीठ हाजिर कर देते हैं। लंगडे घोडे लंगडी खेलते हुए अपनों को ही टंगडी मारकर गिराने में मसरूफ हैं। राहुल के घोषित और अघोषित नेतृत्व में कांग्रेस की दशा देखकर कई बार तरस आने लगता है। बिहार में लालू प्रसाद यादव, उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में स्टालिन और महाराष्ट्र में शरद पवार जैसे जो चेहरे कभी कांग्रेस की बारात में नाचते थे, आज कांग्रेस उन्हीं चेहरों के सियासी रुसूख वाले घोडे के आगे सहबाला बनकर बैठने को विवश हो गई है। ये सब किसने किया? वो कौन है, जिसने घोडे की तरह घास चरने गई अपनी अक्ल को भी महानतम समझदारी की शक्ल देकर पार्टी पर थोप दिया? कौन है, जिसने कांग्रेस के घोड़े की कसी हुई जीन हटाकर उसकी जगह अपनी नादानी की लगातार फिसलती चादर रख दी?

सच तो यह है कि इस घोड़े की रफ्तार फिर से सुनिश्चित करने के लिए उसे उन हाथों से नाल लगाई जाना होगी, जो तजुर्बे में पगे हुए हों, परिवार की बजाय सच्चे हृदय से कांग्रेस के लिए रमे हों। बाकी तो ऐसा न होने तक लाख घोडे की बात कहकर कोडे का डर दिखा दिया जाए, कुछ भी होना-जाना नहीं है। असली दम तब है, जब बीमारी को पहचाने जाने के बाद उसका ईमानदार उपचार भी किया जाए। सच तो राजीव गांधी को भी पता चला था। उन्होंने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि दिल्ली से किसी योजना के लिए चला एक रुपया अपने ठिकाने तक पहुंचते-पहुंचते महज दस पैसा बनकर रह जाता है। यह अपने आप में सौ फीसदी सही था। लेकिन, राजीव भी इतना कहकर ही रह गए। बाद में तो बोफोर्स, क्वात्रोची, फेयर फैक्स जैसे वो शोर गूंजे, जिनमें राजीव का वह सच नक्कारखाने में तूती की आवाज जितनी हैसियत भी नहीं रख सका था।

मध्यप्रदेश में राहुल गांधी की नजर में लंगडा घोडा कौन है? वो जो खुद विधानसभा का चुनाव तक नहीं जीत सके और जिनके अद्भुत नेतृत्व में पार्टी राज्य की सभी 29 लोकसभा सीटों पर हार गई? या फिर वो, जो इस प्रदेश में पार्टी को सत्ता में लाने की अपनी मेहनत का अब भी सूद समेत मूल वसूलने में जुटे हुए हैं? कौन है इस प्रदेश में राहुल गांधी की रेस का घोडा? क्या वो, जिनके पांव में गुटबाजी की रस्सी बांधकर उन्हें घर बैठने पर मजबूर कर दिया गया है? या फिर वो, जो पार्टी के लिए अपनी सच्ची सामर्थ्य और समर्पण का इस्तेमाल केवल और केवल अपने-अपने नेताओं के लिए नारेबाजी करने तक ही कर पा रहे हैं? जो कांग्रेस के इस सफर में अपने आगे चल रहे रसूखदार घोडों के पीछे लगी वह तख्ती पढकर मन मसोसकर रह जा रहे हैं कि 'जगह मिलने पर साइड दी जाएगी?' सच तो यह है कि असली घोडे और खच्चर के बीच के अंतर का निदान करने के लिए कांग्रेस में शीर्ष स्तर से सख्त बदलाव के बगैर और कोई विकल्प नहीं है। वैसे ही, जैसे इंदिरा जी ने कहा था, 'कडी मेहनत के सिवाय और कोई चारा नहीं है।' लेकिन जब राहुल गांधी की सारी कोशिशों का सार 'मुझे इकलौता विकल्प मानने के अलावा और कोई चारा नहीं है' वाली सोच तक सिमट कर रह जाए तो फिर रेस वाले घोडे भी अस्तबल में ऊंघने से अधिक और क्या कर सकते हैं? स्वस्थ घोड़ा खडे-खडे ही सोता है। कांग्रेस तो बीमार भी है। खडी हुए नजर आती है, लेकिन वो सो रही है और इन्तजार कर रही है कि कब राहुल की अक्ल दाढ पूरी तरह काम करना शुरू करती है?

हत्यारे बने जिम्मेदार....

श्वानों ने एक और मासूम की ली जान

औपचारिकता बनी जान की दुश्मन

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। जिम्मेदारों की लापरवाही अब मासूमों की मौत का कारण बन रही है। मामला है आवारा श्वानों का। जिला मुख्यालय सहित जिलेभर में कई जगहों पर आवारा श्वानों की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। इधर लगातार डॉग बाइट्स के मामले अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। लेकिन, जिम्मेदार सिर्फ बड़े हादसे के बाद औपचारिकता निभाने के मूड में नजर आते हैं। एक बार फिर जिम्मेदारों की लापरवाही ने एक मासूम की जान ले ली। मामला सुवासरा क्षेत्र का है। जहां एक तीन साल के बच्चे की कुत्तों के हमले से मौत हो गई।

आवारा कुत्ते मासूमों की जान के दुश्मन बने हुए है। पूर्व में भानपुरा क्षेत्र में कुत्तों के हमले से एक मासूम की जान चली गई। इसके बाद आवारा कुत्तों पर नकेल कसने के लिए दिशा निर्देश देकर बड़े बड़े दावे किए गए। लेकिन, सिर्फ औपचारिकताएं निभाई गई। इसके बाद से अब तक सैकड़ो लोग आवारा कुत्तों के शिकार बन चुके हैं। लेकिन, इस बार जिम्मेदारों की लापरवाही एक और मासूम की मौत का कारण बनी। सुवासरा क्षेत्र में आवारा कुत्तों के हमले से एक मासूम की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सुवासरा वार्ड क्रमांक 15 के सुवासरा रुनिजा रोड सत्संग भवन के पास एक तीन वर्षीय बालक आयुष पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। जैसे - तैसे बच्चे को कुत्तों से दूर किया गया। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, बच्चे को नहीं बचाया जा सका।

क्या परेशानी होती है, कुत्ते के काटने पर...

कुत्तों की लार में रैबीज नामक वायरस होता है। कुत्तों के दांत लगने से यह वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है। शरीर पर इससे होने वाले दुष्प्रभाव का असर तत्काल दिखाई देने लगे, यह जरूरी नहीं। इलाज नहीं कराने पर 20 साल में कभी भी वायरस सक्रिय हो सकता है। रैबीज वायरस के कारण मरीज हाइड्रोफोबिया हो जाता है। इसमें याददाश्त खोना, पानी से डरना, लोगों को काटना, इधर-उधर भागना जैसी हरकतें मरीज करते हैं। कुत्ते के काटने से मौत भी हो सकती है। चिकित्सकों का कहना है कि कुत्ते के काटने के मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

शहर में कुत्तों का आतंक बरकरार...

बारिश से पहले ही शहर के लगभग हर हिस्से में कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। पूरे शहर में 500 से अधिक आवारा कुत्ते मुख्य मार्गों, चौराहे से लेकर कालोनियों की गलियों में दौड़ रहे है और सबसे ज्यादा बच्चों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आवारा कुत्तों से सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को हैं। घरों के बाहर या कॉलोनी-मोहल्लों में खेल रहे बच्चों को काटने के मामले हो रहे हैं। दोपहर के अलावा देर शाम और रात में खतरा ज्यादा बढ रहा है। रात में सुनसान सडकों पर दुपहिया वाहन चालकों के पीछे भागने वाले कुत्तों के कारण काटने के खतरे के साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ रही है।

धारा 144 भी बेअसर...

सुवासरा में मासूम की मौत से पहले मार्च 2024 में भानपुरा क्षेत्र में एक 12 साल की बच्ची पर कुत्तों ने हमला कर दिया था। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद जिम्मेदार जागे। तत्कालीन कलेक्टर ने धारा 144 तक लगा दी। प्रशासन ने होटल और ढाबा संचालकों के साथ ही अंडा, मछली, मुर्गा बेचनेवालों दुकानदारों पर भी कई अंकुश लगाए। प्रशासन का मानना था कि होटल-ढाबा या दुकानों से फेंके गए मांस-मटन आदि खाने से कुत्ते हिंसक हो रहे हैं। यही कारण है कि वेस्ट मांस-मटन आदि को उचित स्थान पर डिस्पोजल करने के निर्देश दिए गए। लेकिन, कुछ ही समय बाद निर्देश और धारा 144 दोनों ही बेअसर हो गई। परिणाम एक बार फिर सुवासरा में मासूम की मौत के रूप में सामने आया।

मामला डिगांव शराब दुकान पर विवाद का...

आठ पर मामला दर्ज, 16 नाम सामने आए

शराब को लेकर शुरु हुआ खूनी संघर्ष का खेल, कच्ची शराब के धंधे ने बढ़ाई प्रतिस्पर्धा

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। शराब के लाईसेंसी ठेकेदारों के बीच प्रतिस्पर्धा के चलते कई बार विवाद की स्थिति बनती रहती है। लेकिन, इस बार कच्ची शराब के निर्माण और बिक्री को लेकर भी खूनी संघर्ष सामने आ रहे हैं। इसका कारण है कि इस बार जिला मुख्यालय की प्रमुख 10 शराब दुकाने बंद हो गई है। लेकिन, जिले की शराब की दुकानों का ठेका पिछले साल के मुकाबले 75 करोड़ रूपए ज्यादा में गया। इधर ठेकेदार इस 75 करोड़ को कवर करने में लगे हैं तो इधर शराब महंगी होने के साथ ही कच्ची शराब का अवैध धंधा भी बढ़ रहा है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। ऐसे में डिगांव चौपाटी जैसे खूनी संघर्ष सामने आने लगे हैं।

मंगलवार रात को हुआ विवाद भी कहीं न कहीं अवैध शराब के धंधे से जुड़ा होना बताया जा रहा है। इस मामले में 16 लोगों के नाम सामने आए थे। जिसके बाद पुलिस ने आठ नामजद सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ तोड़फोड़ और जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। अफजलपुर पुलिस ने बताया कि आठ ज्ञात और अन्य अज्ञात आरोपियो के विरूद्ध बीएनएस की धारा 109(1), 615(2), 296, 351-2, 324-4, 3/5 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इधर हमले में घायल शराब दुकान के कर्मचारी का उपचार चल रहा है। बता दे कि जिले के अफजलपुर थाना क्षेत्र स्थित डिगांव चौपाटी पर मंगलवार शाम एक शराब दुकान में तोड़फोड़ और लूट की घटना हुई। बड़ी संख्या में पहुंचे हमलावरों ने दुकान में घुसकर सेल्समैन पर हमला किया और लाखों रुपए लूट लिए। शाम करीब 07.30 बजे दर्जनों लोग शराब दुकान पर पहुंचे और तोड़फोड़ शुरू कर दी। उन्होंने दुकान में मौजूद सेल्समेन दिगराज सिंह पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घायल हालत में उसे बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसआई भैरू दास बैरागी ने बताया कि घायल अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इन्हीं के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

16 लोगों के नाम सामने आए...

हमलावरों में अजय, विनोद, भेरू, मुन्ना, किशोर, विशाल, महेंद्र, दिलीप, ध्रुव, विवेक, अभिषेक, संदीप, जितेंद्र, हेमा, पूजा और नेहा के नाम सामने आ रहे है। हालांकि, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। हमले में 2-3 मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। मामले में एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि आठ नामजद सहित अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राणघातक हमला करने और तोड़फोड़ करने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

इधर दुकान में लूट हुई है या नहीं, यह अलग बात है। लेकिन, शराब लाइसेंसी महेंद्र सिंह ने बताया कि हमलावरों ने दुकान के बाहर लगे जाली गेट को तोड़कर अंदर घुसकर जमकर उत्पात मचाया। विवाद शराब की ब्लैक मार्केटिंग और कमीशन को लेकर हुआ। दुकान में रखे करीब 3.5 लाख में से 03 लाख रुपए आरोपी लेकर भाग गए। शराब की बोतलें तोड़ गई और सीसीटीवी फुटेज मिटाने के लिए डीवीआर भी चुरा ले गए।

कच्ची और अवैध शराब का खेल है प्रमुख कारण...

जानकारी के अनुसार डिगांव में शराब दुकान के पिछे बाछड़ा समुदाय के डेरे हैं। यहां कच्ची और अवैध शराब का विक्रय किया जाता है। इसी बात को लेकर विवाद के बाद यह हालात पैदा हुए। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।

दो घरों में चोरी करने का आरोपी पकड़ाया

चांदी के जेवर और सोने के मोती समेत लाखों का माल बरामद

मनासा, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। कुक्कड़ेश्वर थाना पुलिस ने दो घरों में हुई चोरी के मामले को सुलझा लिया है। मामले में पुलिस ने चंपा बाजार कुक्कड़ेश्वर निवासी नरेंद्र उर्फ छोटू पिता श्यामदास बैरागी को गिरफ्तार किया है।

बीती 29 मई को तांबोली मोहल्ला में गणेश तांबोली के घर से 50 हजार रुपये के चांदी के पाजेब और बिछिया चोरी हुए थे। उसी दिन ब्राह्मण मोहल्ला में गोपाल कछावा के घर से 85 हजार रुपये के जेवर चोरी हुए थे। इनमें चांदी के पाजेब, मोहनमाला के सोने के मोती, चांदी का कंदौरा, बिछिया और आकड़िया शामिल थे। आरोपी दिन-रात में सूने घरों की रैकी करता था। मौका मिलते ही ताले तोड़कर कीमती सामान चुरा लेता था। दोनों वारदात में परिवार घर से बाहर गए थे। एक परिवार खाटू श्यामजी के दर्शन गया था और दूसरा खेत गया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर नरेंद्र को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने दोनों चोरियां स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया गया। आरोपी को मनासा न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बुजुर्ग महिला को घायल कर दिन दहाड़े ले गए चांदी के कड़े

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। अफजलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लसुड़ावन में एक बुजुर्ग महिला के साथ लूट की घटना सामने आई है। बदमाश खेत पर काम कर रही एक बुजुर्ग महिला के सिर पर वार कर पैर के चांदी के कड़े ले गये। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में जांच जारी है। मिली जानकारी के अनुसार घटना गोपाल धनगर के खेत पर हुई। यहां धन्नीबाई गायरी मौजूद थी। इस दौरान अज्ञात बदमाश ने वारदात की। सिर पर वार कर उसके चांदी के कडे ले गया। बाद में लोगों को इसकी जानकारी मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस जांच जारी है।

उज्जैन पीटीएस में मधुमक्खी का हमला, निरीक्षक की मौत

उज्जैन, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। मक्सी रोड स्थित उज्जैन पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में बुधवार मधुमक्खियों के हमले में पार्किंग में बैठे 4 पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें से एक निरीक्षक रमेशचंद्र धुर्वे 60 वर्ष की जिला अस्पताल ले जाने और प्राथमिक उपचार में मृत्यु हो गई। शेष तीन पुलिस अधिकारी का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। इनमें एक निरीक्षक, एक उप निरीक्षक, एक सहायक उप निरीक्षक शामिल हैं।

पीटीएस एसपी अंजना तिवारी के अनुसार अधिकारी पार्किंग में बैठे थे उसी दौरान मधुमक्खियों ने हमला किया। कुछ अन्य कर्मचारी भी मधुमक्खी के हमले में सामान्य हताहत हुए हैं। घटनाक्रम इस प्रकार से बताया जा रहा है कि अपरांह के दौरान निरीक्षक रमेशचंद्र धुर्वे, निरीक्षक दिनेश पटेल , सब इंस्पेक्टर बलराम चढार, एएसआई कैलाश दोपहर की गतिविधियों के बाद पार्किंग में राहत के लिए बैठे हुए थे उसी दौरान मधुमक्खियों ने जोरदार हमला किया। पीटीएस परिसर में लगे कई वृक्षों पर मधुमक्खियों के छत्ते बने हुए हैं इनमें से ही कुछ छत्तों से मधुमक्खियां उग्र रूप से उडी और उन्होंने पास ही स्थित पार्किंग में बैठे पुलिस अधिकारियों को अपना निशाना बनाया। निरीक्षक रमेशचंद्र धुर्वे को सिर में मधुमक्खियों ने जमकर काटा था। मधुमक्खियों का हमला इतना जोरदार था कि अधिकारी वहां पर उलझकर रह गए थे। उनके बचाव के लिए कुछ कर्मी आए थे लेकिन हमले की स्थिति में मधुमक्खियों ने उन्हें भी निशाना बनाया जिसमें वे भी मामूली घायल हुए हैं। गंभीर घायलों को तत्काल ही वहां से उठाकर जिला अस्पताल लाया गया था। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान ही निरीक्षक रमेशचंद्र धुर्वे की मौत हो गई। गंभीर घायल तीनों पुलिस अधिकारियों को जिला अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। देर शाम तक पीटीएस से 5 अन्य कर्मचारियों को भी मधुमक्खी हमले में घायल होने पर जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था, इन सभी की स्थिति सामान्य थी। इनमें से दो को प्राथमिक उपचार के उपरांत अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। निरीक्षक धुर्वे पीटीएस से पूर्व उज्जैन डीएसबी में वर्षों तक सेवा में रहे। करीब डेढ वर्ष उपरांत उनकी सेवानिवृत्ति होने वाली थी।

बिना मुंडेर के कुएं ने ले ली एक और जान, जिम्मेदार लापरवाह

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। बिना मुंडेर के कुए आए दिन आमजन की जान ले रहे है। लेकिन, जिम्मेदारों की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। विगत दिनों नारायणगढ क्षेत्र में हुए हादसे में एक दर्जन लोगों की जान चली गई। इसके पहले भी कई हादसे अभी तक हो चुके हैं। इसके बाद भी सिर्फ औपचारिकता निभाई जा रही है।

एक बार फिर एक हादसे में एक युवक की जान चली गई। घटना शामगढ क्षेत्र के चंदवासा में हुई। यहां ट्रैक्टर चालक अनिल नामक युवक ट्रैक्टर सहित बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरा। इसके बाद उसे निकालने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। जब तक उसे बाहर निकाला जाता, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक हरदीपसिंह डंग भी मौके पर पहुंचे। मामले में पुलिस जांच जारी है।

35 दिनों से चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान में 273 ट्राली गंदगी साफ की

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान को 4 जून को 35 दिन हो गये। इन 35 दिनों में जागरूग नागरिकों ने प्रात: दो घण्टे कडी मेहनत से शिवना नदी से 273 ट्राली गंदगी, मिट्टी, जलकुंभी व झाड़ियां साफ की । साथ ही शिवना पुलिया व घाट का सौंदर्यीकरण भी किया गया। अब शिवना बदले स्वरूप में नजर आ रही है। बुधवार को 5 ट्राली गाद व गंदगी साफ की गई।

विधायक श्री जैन ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास का सार्थक परिणाम नजर आने लगे है। किसी का श्रम बेकार नहीं जाएगा और जल्द ही शिवना गंदगी व जलकुंभी मुक्त होगी । बुधवार को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी महेश दुबे, रामचन्द्र मालवीय, घनश्याम भावसार, कमलेश जैन, हेमराज खाबिया, विजय आनंद, राकेश जैन पिंटू, नमन पालीवाल, साबाखेड़ा गांव से राजेन्द्र पाटीदार, राकेश पाटीदार, डॉ. ईश्वर पाटीदार, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, इन्द्रेश कुमावत भगत, महिपालसिंह, महिला नेत्रीयो में रफत पयामी, इष्ठ भाचावत, अनिता भदौरिया, मीना चौहान, दीपाली पोरवाल, रिद्धी पालीवाल, कांग्रेसजन में विकास दशोरा, तरूण खीची,राजनारायण लाड,दिलीप देवडा,संजय नाहर, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, साबिर इलेक्ट्रीशियन, रमेश सिंगार, मनोहर नाहटा, शैलेन्द्र गोस्वामी, मोहनपुरी गोस्वामी,अशोक राव, आरवी गुरु दशोरा, ऋषिराज लाड, मुकेश यादव, मूलचंद पाटीदार, अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, अशोक राव, अकरम खान, महेश गुप्ता, सादिक गौरी, राजेश चौधरी, नितनेश बसेर, राकेश सेन, मनोहर रत्नावत, विनित मालवीय, भुवनेश माली, मुकेश जेन,गोपाल बंजारा, राजाभाई सहित बडी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

महावीर व्यायाम शाला के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। केशव नगर स्थित महावीर व्यायाम शाला में कल बुधवार को 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया, दिनांक 25 मई से दिनांक 4 जून तक 10 दिवसीय शिविर में व्यायाम शाला के तत्वाधान में योग प्रशिक्षण, तैराकी प्रशिक्षण एवं शूटिंग निशानेबाजी का प्रशिक्षण दिया गया इन सभी प्रशिक्षणार्थियो को सम्मानित करने हेतु महावीर व्यायाम शाला में समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लोटस वैली स्कूल के संचालक श्री विकास आचार्य एवं महावीर व्यायाम शाला के अध्यक्ष श्री चैनराम जैन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ कार्यक्रम में महावीर व्यायाम शाला के द्वारा योग गुरु श्री बंशीलाल टांक श्री बृजमोहन सोनी, तैराकी का प्रशिक्षण देने वाले मनोज कहार, शूटिंग का प्रशिक्षण देने वाले श्र दिलीप सिंह डाबी का सम्मान किया गया तथा सभी प्रशिक्षणार्थियो को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए कार्यक्रम में महावीर व्यायाम शाला के सचिव श्री राजेश पालीवाल कोषाध्यक्ष श्री देशमुख सदस्यगण श्री अनिल कियावत श्री रमेश चंद्र सोनी श्री श्याम सुंदर चौधरी श्री संजय राठौर समाजसेवी रमेश चंद्र चंद्रे राजकुमार गुप्ता रविंद्र पांडे अशोक मारू पूर्व पार्षद सहीत कई प्रबुद्धजन उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन श्री विकास चौधरी ने किया तथा आभार सचिव श्री राजेश पालीवाल ने माना।

जून माह में शुरू होंगे सत्यनारायण बगीची एवं बालाजी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य

मेवाड़ा सेन समाज की बैठक में लिया निर्णय, वार्षिक आय-व्यय प्रस्तुत किया

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। श्री मेवाड़ा सेन समाज पंचायत श्री सत्यनारायण श्री बालाजी मंदिर खानपुरा परिवार की सत्यनारायण की बगीची में महत्वपूर्ण बैठक समाज के अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया, समाज के वरिष्ठ श्री नन्दकिशोर राठौर, श्री सत्यनारायण सकवाया, श्री फकीरचंद परिहार, सेन युवा संगठन के अध्यक्ष श्री विनोद परिहार, मॉनारायणी माता महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती कलादेवी गंगवालके मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इस बैठक में समाज के आगामी कार्यों कीं रूपरेखा तैयार की गई साथ ही सेन जन्मोत्सव कार्यक्रम एवं वार्षिक आय-व्यय भी प्रस्तुत किया गया।

समाज अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया ने बताया कि बैठक में सत्यनारायण की बगीची में असामाजिक तत्वों व मवेशियों के मंदिर में प्रवेश को रोकने हेतु सर्वानुमति से जून माह में बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया। साथ ही मंदिर के सौंदर्य हेतु रंग रोगन कराने का भी निर्णय लिया गया। समाज के श्री बालाजी मंदिर में भी जो कार्य शेष रहे है उनके निर्माण कार्य को भी जून माह में कराने का सर्वानुमति से निर्णय लिया। अध्यक्ष श्री मारोठिया ने बैठक में उपस्थित सभी महानुभावों के समक्ष सेन जन्मोत्सव कार्यक्रम एवं वार्षिक आय-व्यय भी प्रस्तुत किया गया। तथा सभी से आशा व्यक्त की कि इसी तरह सभी समाजजन सामाजिक कार्यों मैं तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर कार्यक्रमों को सफल बनाये। बैठक के पूर्व भगवान श्री सत्यनारायणजी की कथा का आयोजन किया। कथा श्रवण पं. विपिन दवे ने कराया। कथा पश्चात् मंदिर में विराजित सभी श्रीविग्रहों की महाआरती की गई। इस दौरान बडी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नन्दकिशोर राठौर, सत्यनारायण सकवाया, फकीरचन्द परिहार, डॉ. घीसालाल गंगवाल, महेश चौहान, प्रकाश मारोठिया, ईश्वरलाल गंगवाल, मगनीराम गंगवाल, अशोक चौहान, कमलेश मारोठिया, दिनेश गेहलोद, राकेश मारोठिया, महेश परिहार, नागेश्वर चौहान, अंकुश मारोठिया, सेन युवा संगठन के आदित्य सेन मारोठिया, आशीष गंगवाल, सत्यनारायण मारोठिया, महेश गेहलोद, रविन्द्र चौहान, धीरज गंगवाल, गौरव गेहलोद, अजय मारोठिया, पियुष सकवाया, अक्षय गेहलोद, शुभम मारोठिया, राहुल मारोठिया, नितेश गंगवाल, अंकित गंगवाल, कुलदीप सेन, सतीश परिहार, आयुष गेहलोद, देव चौहान रूद्र सेन सहित बडी संख्या में समाजजन व मातृशक्ति उपस्थित थे। संचालन डॉ. घीसालाल गंगवाल ने किया व आभार अशोक चौहान ने माना। उक्त जानकारी महेश परिहार ने दी।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन

11 जून को निकलेगी कलश यात्रा, 17 जून को होगी महाप्रसादी

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। श्री सांवलिया गौशाला कुंचडौद द्वारा श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन दिनांक 11 जून बुधवार से 17 जून मंगलवार तक किया जा रहा है। जिसमें परम श्रद्धेय गौ भक्त श्री भीमाशंकरजी शर्मा शास्त्रीजी धारियाखेडी अपने मुखारविन्द से भागवत कथा का श्रवण करायेगे। गौशाला समिति के अध्यक्ष योग गुरू बंशीलाल टांक ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव का शुभारंभ दिनांक 11 जून को प्रात: 9 बजे कलश यात्रा से होगा। 11 से 17 जून तक श्री भीमाशंकरजी शर्मा शास्त्रीजी द्वारा प्रतिदिन दोप. 12 बजे से भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। पूर्णाहुति, कथा विश्राम एवं महाप्रसादी का आयोजन 17 जून को दोप. 2 बजे से होगा। श्री सांवलिया गौशाला एवं कुंचडौद ग्रामवासियों ने सभी भक्तों से सात दिवसीय इस धर्म महोत्सव में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

हर परिपक्व व्यक्ति को अपने जीवन में वसीयत अवश्य करनी चाहिए-सीए अग्रवाल

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। किसी भी परिवार का मुखिया हमेशा यही चाहता है कि उसके परिवार के सदस्यों में सदैव प्रेमभाव बना रहे और उसकी मृत्यु के बाद भी उसकी संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई विवाद उत्पन्न न हो लेकिन उचित वसीयत न कर पाने की वजह से अनेक परिवारों में मुखिया की मृत्यु के बाद संपत्ति के बंटवारे को लेकर अनेक विवाद उत्पन्न हो जाते हैं और परिवार बिखर जाता है। इसलिए प्रत्येक परिपक्व व्यक्ति को अपने जीवन में वसीयत अवश्य कर देनी चाहिये ताकि उनके इस दुनिया से चले जाने के बाद परिवारजनों में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

उक्त विचार मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा सक्सेस प्लानिंग थ्रु विल एण्ड नॉमिनेशन विषय पर आयोजित सीपीई सेमिनार को संबोधित करते हुए सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने बताया कि मन्दसौर ब्रांच ने प्रयास किया है कि ब्रांच के सदस्य ही अपने पसंदीदा विषय पर वक्ता के रूप में सेमिनार को संबोधित करें और इसी कडी में आज मन्दसौर ब्रांच के सदस्य सीए सिद्धार्थ अग्रवाल द्वारा ही विषय विशेषज्ञ के रूप में अपना

उद्बोधन प्रस्तुत किया गया है। आपने बताया कि मन्दसौर ब्रांच द्वारा सदस्यों के लिये निरन्तर शैक्षणिक सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें तात्कालिक मुद्धों पर सदस्य अपने विचार व्यक्त करते हैं। मन्दसौर ब्रांच ने इस वर्ष सीए विद्यार्थियों के लिये भी अनेक सुविधाएं प्रदान की है, जिनका लाभ अनेक छात्र छात्राएँ उठा रहे हैं। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत सीए अर्पित मेहता, सीए विकास भंडारी, सीए रीतेश पारिख, सीए मयंक जैन, सीए विशाल भरभाया, सीए गौरव गुप्ता, सीए सिद्धार्थ विजयवर्गीय, सीए भानुप्रताप नीमे, सीए चेतन गुप्ता, सीए नितिन देवनानी, सीए रचित जैन, सीए योगेन्द्र जैन, सीए अर्पित नागदा, सीए राजेश जैन, सीए सुबोध सिंहल, सीए अर्पित रत्नावत, सीए आयुष जैन आदि ने किया। अतिथि परिचय सीए नयन जैन ने दिया। कार्यक्रम का संचालन सीए आशीष जैन ने किया। आभार प्रदर्शन सीए अर्पित नागर ने किया।

गरीब कल्याण को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला आज

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के निर्देशानुसार जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में मोदी सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक एंव अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमो को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला आज दिनांक 05 जुन 2025 को दोपहर 12:30 बजे स्थानीय नक्षत्र गार्डन कलेक्टर रोड मंदसौर पर मुख्य वक्ता पूर्व विधायक एंव जिला भाजपा संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा के मुख्य आतिथ्य में एंव सांसद सुधीर गुप्ता, राज्ससभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायकगण हरदीपसिंह डंग, चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायकगण यशपाल सिंह सिसोदिया, देवीलाल धाकड, कैलाश चावला, राधेश्याम पाटीदार, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, मछुआरा प्रकोष्ठप्रदेश संयोजक बाबुलाल चौहान, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, डॉ.सुषमा आर्य, मुकेश काला, पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण एंव संगठन पदाधिकारीयों के उपस्थिति में सम्पन्न होगी। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बताया कि प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार मंदसौर जिले में भाजपा द्वारा आगामी माह में किये जाने वाले संगठनात्मक कार्यो की कार्ययोजना बनाने के लिये यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। मेरा सभी अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से आग्रह है की नियत समय में इस आवश्यक कार्यशाला में उपस्थित होवें और कार्यशाला के माध्यम से जिले के सभी मंडलों में आगामी कार्यक्रम संपादित करें।

मालवा विचार मंथन का आयोजन कल से

ऑपरेशन सिंदूर-भारतीय शौर्य की नई गाथा विषय पर शिक्षाविद डॉ सोहोनी एवं जनपरिषद अध्यक्ष डॉ बटवाल के व्याख्यान होंगे

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र - जावरा की अटल ग्राम विकास सामाजिक संगठन द्वारा 6, 7, 8 जून को त्रिदिवसीय मालवाविचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमे आपरेशन सिन्दूर पर केन्द्रित वेचारिक कार्यक्रम संपन्न होगे। यह जानकारी संस्था प्रमुख अभय कोठारी, कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेन्द्र त्रिवेदी एवं समग्र मालवा मंदसौर इकाई संयोजक विजय अग्निहोत्री एवं अजिजुल्लाह खालिद ने देते हुए बताया कि अटल ग्राम विकास सामाजिक संगठन एवं समग्र मालवा द्वारा श्रीराम विधा मन्दिर पर दिनांक 6 जून 2025 शुक्रवार को 'ऑपरेशन सिंदूर -वीर गान 'का आयोजन होगा जिसमे विभिन्न साहित्यकारो व्दारा अपनी रचनाओं का पाठ किया जावेगा। इसी प्रकार 7 जून 2025 शनिवार ऑपरेशन सिंदूर पर महिला संगोष्ठी का आयोजन रखा गया है जिसमें विभिन्न महिलाओं द्वारा अपने विचार व्यक्त किये जाएगे।

त्रिदिवसीय कार्यक्रम मे 8 जून 2025 रविवार व्याख्यान माला का आयोजन रखा गया हे जिसमे 'आपरेशन सिंदूर- भारतीय शोर्य की नई गाथा ' विषय पर मन्दसोर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य शिक्षाविद डॉ. रविन्द्र कुमार सोहोनी मुख्य वक्ता विचार व्यक्त करेगे। विशेष अतिथि जन परिषद प्रांतीय सहसचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ .धनश्याम बटवाल मंदसौर होंगे। श्री कोठारी ,श्री त्रिवेदी श्री अग्निहोत्री एवं श्री ख़ालिद ने बताया कि उक्त आयोजन श्री राम विधा मन्दिर रामबाग जावरा पर 6 जून से 8 जून तक रात्रि 8 बजे होगा। संस्था प्रमुख अभय कोठारी , कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेन्द्र त्रिवेदी, कार्यक्रम समन्वयक रमेश मनोहरा, समग्र मालवा संयोजक मनोहर सिह चौहान मधुकर , महासचिव महेश शर्मा , कोषाध्यक्ष दिलिप त्रिवेदी, उपाध्यक्ष श्रीमती सविता पटेल ,संयुक्त सचिव वीरेन्द्र सिंह चौहान एवं आयोजन समिति के सदस्यों जगदीश उपमन्यु, श्रीमती अर्चना करनावट , निकुम्भ पुरोहित , अभय कांठेड मंत्री, विनोद चोरसिया,जगदीश धनोतिया , दिनेश पौराणिक, धीरेन्द्र श्रीमाल, शेलेन्द्र जोशी , शिवराज सिंह तोमर , दीपक त्रिवेदी आदि ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर मालवा विचार मंथन आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सभी गैस कनेक्शन हितग्राही ईकेवायसी करवाएं

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। खाद्य विभाग द्वारा जिले के सभी गैस कनेक्शन हितग्राहियों को सूचित किया जाता हैं, कि एलपीजी की सेवाओं का लाभ निरंतर रूप से जारी रखने के लिए गैस कनेक्शन की ईकेवायसी करवायें। जिससे एलपीजी की सेवाओं में होने वाली असुविधा से बचा जा सके। अगर किसी गैस कनेक्शन हितग्राही की मत्यु हो गयी हैं, तो गैस कनेक्शन परिवार में ही किसी सदस्य के नाम ट्रान्सफर कराके ईकेवायसी करवायें। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए आप अपनी सम्बंधित गैस एजेंसी से संपर्क करके और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ग्राहक आने में असमर्थ हैं, तो वह स्वयं ही अपने मोबाइल में Indian oil ONE Ed Aadhar FaceRD एप्प डाउनलोड करके गैस कनेक्शन पर रजिस्टर्ड मोबाइल न. से IndianoilONE एप्प पर लॉग इन करके ईकेवायसी कर सकता है जिसका पाथ कुछ इस प्रकार है। इंडियन ऑयल वन एप्प पर गैस कनेक्शन में रजिस्टर्ड मोबाइल न. से लॉग इन करें। बार्थी तरफ सबसे उप्पर 3 लाइन वाले निशान पर क्लिक करें। एलपीजी वाले ऑप्शनन पर क्लिक करें। डोमेस्टिक कनेक्शन पर क्लिक करें। सर्विस रिक्वेस्ट में आधार केवायसी पर क्लिक करें बॉक्स पर क्लिक करके निचे फेसस्केकन पर क्लिक करके प्रोसेस फोलो करें।

नवीन आचार्य एवं पंचपदीय शिक्षण वर्ग प्रारम्भ

नगरी, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला ग्रामीण शिक्षा समिति मंदसौर द्वारा संचालित नवीन आचार्य शिक्षण वर्ग सरस्वती शिशु मंदिर नगरी में प्रारंभ हुआ। वर्ग के उद्घाटन सत्र में अतिथि के रूप में जिला ग्रामीण शिक्षा समिती अध्यक्ष श्री प्रभु लाल धनोरा, सचिव श्री गजेंद्र सिंह राठौड, दलौदा तहसील प्रमुख व वर्ग संयोजक श्री मयूर सोनी, समिति सदस्य राम प्रताप वाक्तरिया, नगरी संयोजक श्री घनश्याम बग्गड, मंदसौर जिला प्रमुख श्री महेश विश्वकर्मा सहित बापूलाल धाकड,दिलीप मेहता,राम गोपाल जोशी, श्याम प्रजापत, राम बंबोरिया एवं समस्त वर्ग संचालक टोली की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती वंदना की। तत्पश्चात अतिथि परिचय कारूलाल प्रजापत ने दिया। वर्ग की भूमिका एवं संचालन टोली का परिचय मयूर सोनी एवं अतिथि स्वागत मनोहर सिंह परिहार व सुंदरलाल शर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथि समिति जिलाध्यक्ष श्री प्रभुलाल धनोरो द्वारा वर्ग से आचार्य निर्माण एवं आचार्य द्वारा भैया बहनों के सर्वांगीण विकास में आचार्य की महत्वपूर्ण भूमिका एवं आचार्य का सामाजिक दायित्व आदि विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। समिति सचिव श्री गजेंद्र सिंह राठौर ने कहा की वर्ग एक प्रकार का समुद्र मंथन है और आप इस समुद्र मंथन में से जो अमृत निकलेगा उस अमृत द्वारा छात्रों को सर्वांगीण निर्माण करना यह हमारे ध्येय हो। कार्यक्रम का सफल संचालन कुंदन कुमावत ने किया। उक्त जानकारी जिला प्रचार प्रमुख कुंदन कुमावत द्वारा दीं गई।

कांकरवा बालाजी अब सामाजिक चेतना का केंद्र बन रहा- सांसद

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदिर के ट्रस्ट में सक्रियता से काम करने वाले लोगों के कारण तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र की जागरूकता की वजह से बालाजी मंदिर की प्रसिद्ध चारों ओर फैल रही है।

उक्त बात कांकरवा बालाजी में चल रही कथा में सम्मिलित हुए सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहते हुए कहा कि आज सांसद निधि से 40 लाख रुपए का एक बडा डोम तैयार हो रहा है तथा मंदिर भी अति सुंदर होकर उसके सामने एक विशाल यज्ञशाला और प्रवचन हाल है जिसमें निरंतर कोई ना कोई धार्मिक कार्यक्रम कार्यक्रम संपन्न करवाना यह सामाजिक चेतना का प्रतीक है। श्री गुप्ता ने मंदिर में सहयोग की दृष्टि से हर तरह सहायता करने की बात कही। इसके साथ ही विशाल गौशाला निरीक्षण करते हुए उसकी प्रशंसा की एवं मंदिर के निकट डैम की पाल पर सौंदर्यीकरण करने का आश्वासन दे दिया। इस अवसर पर मंदसौर से पधारे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री मानसिंह माछोपुरिया, राजपूत समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेंद्रसिंह खेजडिया, शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे, भाजपा नेता सत्यनारायण पालीवाल, वरिष्ठपत्रकार घनश्याम बटवाल एवं मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी इंजीनियर बी एस सिसोदिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता का स्वागत शाल- श्रीफल से किया गया जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष ब्रह्मानंद पाटीदार, उपाध्यक्ष विनय सिंह श्रीमाल एडवोकेट जावरा, मनोहर सिंह गुर्जर, नाहरसिंह भोलिया कालूसिंह गुर्जर, अमर सिंह गुर्जर, मानसिंह गुर्जर, मनोहरलाल डाबी, रतन लाल चौहान, श्याम सिंह गुर्जर सम्मिलित रहे। इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने निर्माणाधीन परिसर एवं अतिथि निवास का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम का संचालन मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी इंजीनियर बी एस सिसोदिया द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन श्री विनयसिंह श्रीमाल द्वारा किया गया।

अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सो. लिमि मनासा पंजीकृत पते पर कार्य न करने पर 50 हजार रूपये जुर्माना

नीमच/मनासा, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत संस्था अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमि मनासा द्वारा अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत पंजीकृत पते पर कार्य न करने पर सहायक पंजीयक सहकारी संस्था जिला नीमच श्री राजू डाबर द्वारा कार्यवाही करते हुए धारा 32 का स्पष्ट उल्लघंन करने पर श्रैय मुंदडा, अध्यक्ष अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमि. मनासा पर 50,000/- रूपये की शास्ति अधिरोपित की गई। उक्त राशि संबंधित को एक सप्ताह में शासकीय कोष में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिवना शुद्धिकरण अभियान

शिवना प्रदूषित नहीं करें
श्रम सीकर से संवर रहा
माँ शिवना का रूप
अठखेलियां जल में करे
सुबह सुबह की धूप।
शिवना किनारे निर्मल हुए
मिटी पंछियों की पीर
भर भरकर पी रही
चोंच में चिड़िया नीर।
जीवन रेखा दशपुर की
शुद्धिकरण हर बार करें
अब की बार संकल्प ले
शिवना प्रदूषित नहीं करें।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

जिले में खरीफ के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज एवं उर्वरक उपलब्ध-चंद्रा

नीमच, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में खरीफ 2025 के लिए किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक एवं बीज की मात्रा सुनिश्चित की गई है। उप संचालक कृषि श्री भगवान सिह अर्गल ने बताया, कि जिले में जिले में इस खरीफ सीजन के लिए एक फरवरी 2025 से अबतक 6231.554 मिट्रीक टन उर्वरक का उठाव हो चुका है। इसमें यूरिया 3008.454 मिट्रीक टन, डीएपी 1130.750 मिट्रीक टन, एमओपी 292.700, एनपीकेएस 626.750 एवं एसएसपी 1172.900 मिट्रीक टन उर्वरक का उठाव हो चुका हैं।

जिले में 27523 मिट्रीक टन उर्वरक उपलब्ध-उप संचालक कृषि नीमच श्री अर्गल ने बताया, कि नीमच जिले में वर्तमान में 27 हजार 523 मिट्रीक टन से अधिक उर्वरक की उपलब्धनता है। इसमें यूरिया 8041, डीएपी 3460, एमओपी 1111.5, एनपीकेएस 5666.497, मिट्रीक टन एवं एसएसपी 9243.1 मिट्रीक टन उर्वरक उपलब्ध् है।

38 हजार 502 क्विंटल उपलब्ध6 है बीज-जिले में खरीफ मौसम में किसानों के लिए पर्याप्त6 मात्रा में बीज की उपलब्धता है। वर्तमान में जिले में 38 हजार 502 क्विंटल बीज उपलब्ध है, इनमें मक्का 5500 क्विंटल, मुंगफली 5700 क्विंटल एवं सोयाबीन 27000 क्विंटल बीज उपलब्ध हैं। संभावित लक्ष्य जिले में कुल 40 हजार 392 क्विंटल का रखा गया है। इसमें 5 हजार क्विंटल मक्काबीज, 6 हजार क्विंटल मुंगफली बीज एवं 29 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज वितरण का लक्ष्यम हैं। जिले में उपलब्ध 38 हजार 502 क्विंटल बीज के अलावा किसानों के पास भी विभिन्न फसलों का गुणवत्ता पूर्ण बीज उपलब्ध हैं। इस तरह नीमच जिले में किसानों के लिए जिले में खरीफ 2025 के लिए पर्याप्त0 मात्रा में विभिन्न प्रकार के उर्वरक एवं बीज उपलब्ध होकर गोदामों में भण्डारित हैं। किसान अपनी आवश्य कतानुसार सहकारी समितियों अथवा नगद उर्वरक विक्रय केंद्रों से उर्वरक एवं बीज प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने कृषि विभाग व अन्य संबंधित विभागों, समितियों के प्रबंधकों को निर्देश दिए है, कि वे किसानों को यूरिया के विकल्प के रूप में एनपीकेएस का उपयोग करने तथा नैनो, यूरिया, डीएपी, का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।

कम्प्यूटर भवन लैब के निर्माण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय परिसर में कल बुधवार को सर्वसुविधायुक्त कम्प्यूटर लैब भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। लगभग 75 बाय 55 फिट के आकार में बनने वाले इस कंप्यूटर भवन में सभी आवश्यक सुविधाएं जो कम्प्यूटर लैब भवन में होती है वह उपलब्ध होगी। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर के सतत प्रयासों से हुडको के मद से लगभग 1 करोड रू. की राशि लॉ कॉलेज में कम्प्यूटर भवन लैब एवं उसमें आवश्यक सुविधाओं हेतु मिली है। कल इसी कम्प्यूटर लैब भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। नपाध्यक्ष एवं लॉ कॉलेज की पदेन अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर एवं लॉ कॉलेज के ट्रस्ट के सचिव श्री रघुवीरसिंह चुंडावत ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर नये भवन निर्माण कार्य को प्रारंभ करने हेतु भूमिपूजन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय ट्रस्टीगण डॉ. क्षितिज पुरोहित, श्री दशरथसिंह झाला, श्री सुखलाल पाटीदार, श्री गोपालकृष्ण पाटील, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विनोद पाटीदार, महाविद्यालय स्टॉफगण डॉ. राजेश कौशिक, प्रवीण चौधरी, ईश्वरलाल प्रजापति, डॉ. सीमा श्रीमाल, बहादुर सिंह डावर, चंचल शर्मा, हेमलता चौहान, साक्षी माली, दीपक बैरागी, समाजसेवी कन्हैयालाल सोनगरा, यशोधर्मन गुप्ता, एस.पी.सिंह सहित महाविद्यालय के छात्रगण उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष एवं महाविद्यालय ट्रस्ट की पदेन अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने इलेक्ट्रानिक मीडिया से चर्चा में कहा कि राज्यसभा सांसद श्री बंशीलालजी गुर्जर जब हुडको के डायरेक्टर थे तब उन्होनें अपने प्रयासों से महाविद्यालय परिसर में सर्वसुविधायुक्त कम्प्यूटर भवन लैब के लिये 1 करोड रू. की राशि स्वीकृत कराई। राशि प्राप्त होने के बाद आज महाविद्यालय परिसर में भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन हो रहा है। मैं महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टॉफगण को बधाई देती हूँ तथा राशि की स्वीकृति दिलाने पर राज्यसभा सांसद श्री बंशीलालजी गुर्जर के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ। महाविद्यालय परिसर में लम्बे समय से इसकी आवश्यकता थी। महाविद्यालय ट्रस्ट के सचिव श्री रघुवीसिंह चुण्डावत ने कहा कि महाविद्यालय को जो सौगात मिली है उसका पूरा श्रेय श्री बंशीलाल गुर्जर को जाता है। जिन्होंने हुडको के मद से यह राशि दिलाई। महाविद्यालय परिसर में कम्प्यूटर लैब भवन बनने से महाविद्यालय के विद्यार्थियों की शिक्षा और बेहतर होगी। महाविद्यालय ट्रस्टी डॉ. क्षितिज पुरोहित ने कहा कि श्रीमती रमादेवी गुर्जर के अध्यक्ष पद को संभालने के बाद महाविद्यालय परिसर में कई विकास कार्य हुए है। ट्रस्ट निधि से तीन बडे कक्ष एवं एक बडे हाल का निर्माण किया जा रहा है जो की पूर्णता की ओर है। कार्यक्रम में सभी ट्रस्टियों ने महाविद्यालय को मिली इस उपलब्धि पर राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर के प्रति आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय प्राध्यापक डॉ. राजेश कौशिक ने किया तथा आभार महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विनोद पाटीदार ने माना।

स्वास्थ्य विभाग कोरोना से निपटने के लिए तैयार

सीएमएचओ ने की तैयारियों की समीक्षा, किया निरीक्षण, भोपाल में मिला पहला मामला, प्रदेश में अब तक 31

भोपाल/मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। भोपाल में 2025 का पहला कोरोना का मामला सामने आया है। मंगलवार शाम एक महिला की आरटीपीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वर्तमान में मरीज निजी अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में भर्ती है।

जानकारी के अनुसार महिला लगातार बुखार और गले में खराश के लक्षणों के साथ परामर्श के लिए ओपीडी में पहुंची थी। इसके साथ ही प्रदेश में इस साल कोरोना के अब तक 31 पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. शर्मा के मुताबिक, ओपीडी में आने वाले 15 से 20 फीसदी मरीजों में कोविड जैसे लक्षण दिख रहे हैं। इन्हें मास्क पहनने की सलाह दी जाती है। लेकिन, उनमें से सिर्फ एक-दो मरीज ही अगली बार फॉलोअप पर मास्क लगाकर आते हैं। इधर अब मंदसौर जिले में भी स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां शुरु कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग मीडिया प्रभारी डॉ कश्यप द्वारा बताया गया कि देश और विदेश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के पैटर्न को देखते हुए, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान ने मंदसौर के बड़े अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में कोविड-19 से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया जाना था। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने पाया कि कोविड-19 के संभावित मरीजों के लिए दो विशेष वार्ड पूरी तरह से तैयार कर लिए गए हैं। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. बीएल रावत को तत्काल निर्देश दिए कि वे अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, आवश्यक दवाइयों और अन्य चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को भी विशेष निर्देश दिए कि वे कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों की सक्रिय और गहन निगरानी करें। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए त्वरित पहचान और प्रभावी उपचार महत्वपूर्ण है। सीएमएचओ ने जोर दिया कि सभी स्वास्थ्यकर्मी प्रोटोकॉल का पालन करें और कोविड-उपयुक्त व्यवहार के प्रति जनता को लगातार जागरूक करते रहें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिले की स्वास्थ्य टीमें किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध हैं।

केरल जैसी जांच हो तो एमपी में बढ़ सकते हैं केस...

मध्यप्रदेश में अगर केरल की तरह कोरोना की जांच शुरू कर दी जाए, तो संक्रमितों की संख्या कई गुना बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय जिन मरीजों में वायरल जैसे लक्षण दिख रहे हैं, उनमें से कई कोरोना पॉजिटिव हो सकते हैं। केरल में लक्षण दिखते ही आरटीपीसीआर जांच की जा रही है, इसी वजह से वहां कुल मामलों की संख्या 1400 तक पहुंच गई है। वहीं मध्यप्रदेश की स्थिति अलग है।

महेश जयंती पर्व पर निकली वाहन रैली व चल समारोह

माहेश्वरी समाज ने धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया महेश नवमी पर्व

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। महेश जयंती पर्व पर माहेश्वरी समाज की गौरवमयी परम्परानुसार प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माहेश्वरी समाज द्वारा वंशोत्तपत्ती दिवस महेश नवमी (महेश जयंती) पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष अजय लड्ढा व प्रचार मंत्री सोनू गुप्ता द्वारा बताया गया कि महेश जयंती पर्व के दौरान प्रात: 9 बजे वाहन रैली की शुरुआत की।जिसमें महिलाये लाल साड़ी व पुरुष सफ़ेद पोशाक मे दिखे।माहेश्वरी है हम, शिव के वंशज है हम के जयकारों के साथ वाहन रैली का क्रम माहेश्वरी धर्मशाला से शुरू होकर,शुक्ला चौक,जनकुपुरा, बड़ा चौक,धानमंडी,सदर बाजार,घंटाघर भारत माता चौराहा,बस स्टैंड,गांधी चौराहा, बीपीएल चौराहा, सहकारी बाजार रोड होते हुए, संजीत नाका, श्री कोल्ड चौराहा,राम टेकरी चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा,नयापुरा रोड होते हुए पुन: माहेश्वरी धर्मशाला पर संपन्न हुई।इस बीच फोटो प्रदर्शनी भी लगायी गयी।और शाम को माहेश्वरी समाज के तत्वाधान मे 5:00 बजे चल समारोह निकाला गया। इस भव्य शोभायात्रा व चल समारोह में भगवान महेश नगर भ्रमण पर निकले। साथ मे पुरे माहेश्वरी समाज ढोल पर नृत्य करते थिरकते हुए अंत मे माहेश्वरी धर्मशाला पहुंचे। इस शोभायात्रा मे महिलाएं केसरिया साडी व पुरुष सफ़ेद पोशाक मे रहे।भगवान महेश की शोभायात्रा इस चल समारोह का क्रम चारभुजानाथ मंदिर बड़ा चौक से होते हुए धान मंडी,सदर बाजार,घंटाघर, कालिदास मार्ग, बस स्टैंड होते हुए कालाखेत होकर माहेश्वरी धर्मशाला पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष बंकट सोमानी सचिव गोपाल दास पसारी सहित माहेश्वरी युवा संगठन के सचिव कुलदीप सोनी, कोषाध्यक्ष सी. ए. नितेश भदादा, उपाध्यक्ष ऋषभ मंडोवरा, संगठन मंत्री, सहसचिव प्रत्यक्ष मालू, प्रचार मंत्री सोनू गुप्ता निमेष पसारी खेल मंत्री अनुजीत बजाज, विनायक माहेश्वरी, अनूप बाल्दी माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री सी.ए.रोहन सोमानी आयुष छापरवाल, अंकित माहेश्वरी सहित माहेश्वरी युवा संगठन के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस वन नेशन, वन मिशन एण्ड प्लास्टिक पॉल्यूशन पर आधारित होगा-प्रमुख सचिव

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री नवनीत मोहन कोठारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस वन नेशन, वन मिशन एण्ड प्लास्टिक पॉल्यूशन पर आधारित होगा। श्री कोठारी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को समुचित कार्य करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव श्री कोठारी ने कहा कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारंभ किया जायेगा। साथ ही एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का भी शुभारंभ होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण द्वारा तैयार प्रदेश के वेटलैण्डएटलस का विमोचन किया जायेगा। श्री कोठारी ने बताया कि पीएचडी छात्रवृत्ति एवं मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार का वितरण भी कार्यक्रम में किया जायेगा। बैठक में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री अच्युदानंद मिश्रा और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चौपाल लगाकर किसानों को किया जा रहा है जागरूक

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग के प्रभारी उप संचालक श्रीमती अनीता धाकड ने जानकारी दी कि भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार की विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत जिले में 29 मई से 12 जून तक जिले के किसानों को चौपाल लगाकर जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए कृषि अधिकारियों के साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों के दल द्वारा ग्राम पंचायतों में जा कर किसानों को लागत कम कर उत्पादन बढाने एवं फसल विविधिकरण संबंधित जानकारी दी जा रही है। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसान भाईयों को कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा ग्राम पंचायतों में जाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है साथ ही कृषि वैज्ञानिक दल द्वारा कृषि से संबंधित नवीन तकनीकों पर चर्चा कर किसानों को अवगत कराया जा रहा है। किसानों को अनुसंधान केंद्रों द्वारा किये गये अनुसंधान की जानकारी दी जाकर उन्हें अपने खेत में अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिले में तकनीकी दल बनाये गये है।प्रत्येक दल में कृषि वैज्ञानिक, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं मैदानी अधिकारी/कर्मचारी ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर चौपाल लगाकर जानकारी दे रहे हैं। ताकि किसान भाई अपनी फसलों में लागत कम कर उत्पादन बढाने के विभिन्न विकल्पों को अपना कर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। जिले में खरीफ मौसम सोयाबीन की फसल मुख्य फसल है। इसके लिए सोयाबीन फसल की विस्तृत जानकारी दी जा रही है कुछ ही दिनों बाद किसान भाईयों के द्वारा सोयाबीन फसल में उचित बीज व्यवस्था करना, बीज उपचार करके बुआई करना, मिट्टी परीक्षण कराकर अनुसंक्षित उर्वरक का उपयोग करना, प्राकृतिक खेती, फसल विविधिकरण, मिश्रित खेती, कृषि के नवीन आयामों को अपनाने एवं कृषि में आय के स्त्रोतों को बढावा देना, नवीन तकनीकों का अपना कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है।

मनासा में मंदिर भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

मनासा, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन में शासन संधारित मंदिरों की भूमियों का संरक्षण किया जा रहा है। इसी कम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, उपखण्ड मनासा श्री पवन बारिया के मार्गदर्शन में तहसीलदार मनासा श्री मुकेश निगम द्वारा न्याायालयीन प्रकरण में गठित दल द्वारा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर बरथून की स्थित शासन संधारित भूमि सर्वे नंबर 1348 रकबा 0.990 हे. भूमि पर अतिक्रमणकर्ता बंशीलाल, बाबुलाल पिता रामा जाति बंजारा निवासी बरथून द्वारा वर्षों से देवस्थान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर ग्राम बरथून की भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को छुडवाया जाकर प्रशासन द्वारा अपने कब्जे में लेकर वर्तमान पुजारी को भूमि का कब्जा दिलाया गया। उक्त कार्य तहसीलदार मनासा के निर्देशन में राजस्व, पुलिसबल एवं कोटवार के संयुक्त दल द्वारा किया गया।

नपा द्वारा बड़े नालों की सफाई जारी

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद के द्वारा प्रतिदिन मंदसौर नगर में वर्षा ऋतु के पूर्व बडे नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है विगत दिनों अभिनंदन क्षेत्र के बडे नालों की सफाई का अभियान भी प्रारंभ किया गया है ,नगरपालिका परिषद के द्वारा अभिनंदन क्षेत्र के बडे नालों की सफाई की गई तथा यहां निकले कूडे करकट,मलवा को हटाने का कार्य भी किया जा रहा है नगरपालिका परिषद मंदसौर अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला मकवाना क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सुनीता नंदलाल गुजरिया श्री आशीष गोड ने अभिनंदन क्षेत्र में पहुंचकर नालों की सफाई कार्य का निरीक्षण किया इस दौरान प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद्र शर्मा गेराज सहायक जाकिर भाई ,पटवारी जगदीश मोड सहित कई कर्मचारीगण भी उपस्थित थे नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व नगर पालिका परिषद के कर्मचारीगण तत्परता से कार्य करते हुए सभी बडेनालों की सफाई का कार्य पूर्ण करावे।

शिवना नदी पर बनेगी नवीन पुलिया, क्षेत्रवासियों का बचेगा समय और ईंधन

राज्यसभा सांसद गुर्जर ने प्रशासन व नपा अमले के साथ किया निरीक्षण

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। पशुपतिनाथ किला रोड से महू-नीमच रोड स्थित चंदन होटल के समीप के नवीन एप्रोच पुलिया व रोड के निर्माण के लिये 4 जून को राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने एसडीएम श्री एस.एल. शाक्य व नपा सीएमओ श्री सुधीर कुमार सिंह ने नपा अमले के साथ निरीक्षण किया। इस नवीन पुलिया व 800 मीटर रोड निर्माण से राहगिरों को करीब 6 कि.मी. की यात्रा कम करनी पडेगी।

उल्लेखनीय है कि इस पुलिया (एप्रोच रोड) के निर्माण की मांग वार्ड नं. 26 की पार्षद श्रीमती संगीता शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी एवं वार्ड नं. 24 की पार्षद खेरून बी शहजाद पटेल द्वारा की जा रही थी तथा नगरपालिका की बैठक में भी इस मांग को उठाया गया था। जिस पर 4 जून को राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने प्रशासनिक व नपा अमले के साथ पैदल निरीक्षण किया गया। राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने बताया कि सिंहस्थ मद से बनने वाले इस एप्रोच पुलिया के निर्माण से निश्चित ही राहगीरों को लाभ होगा। तथा समय व ईंधन की बचत भी होगी। जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। पार्षद श्रीमती संगीता शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी ने बताया कि लम्बे समय से इस पुलिया के निर्माण हेतु मांग की जा रही थी। अब यह कार्य जल्द ही पूर्ण होगा। इससे कोर्ट क्षेत्र, चन्द्रपुरा क्षेत्र, पशुपतिनाथ मंदिर दर्शनार्थियों, खानपुरा, शहर किला क्षेत्र, सीतामऊ फाटक क्षेत्र व आसपास के नागरिकों को काफी लाभ होगा। श्रीमती गोस्वामी ने बताया कि निर्माण कार्य का स्टीमेट बनाकर शासन को भेजा गया है। जिसकी स्वीकृति होते हुए टेंडर आमंत्रित कर कार्य शुरू किया जाएगा। इस दौरान पीजी कॉलेज जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, पार्षद प्रतिनिधि शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी, नपा इंजीनियर पी.एस. धारवे, इंजीनियर रोहित केथवास, रमेश चौहान, यश श्रीवास्तव आदि भी उपस्थित रहे।

एनसीसी का दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। पांच मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुपम छटा के साथ हुआ। समापन समारोह में कैडेटस ने पारंपरिक लोकगीतों, मनमोहक नृत्यों और अन्य कला के माध्यम से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। गणेश वंदना से संध्या प्रारंभ हुई और योगासनों की शांति ने समारोह में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया।इस अवसर पर कमान अधिकारी ने प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटस को प्रशंसा पत्र प्रदान कर उनकी अनुशासन, समर्पण और सीखने की जिज्ञासा की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने कैडेटस को आत्मनिर्भर, सजग और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

शिविर के दौरान कैडेटस को शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार संचालन, फायरिंग, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, सैन्य संगठन और ट्रैफिक नियंत्रण जैसे विविध विषयों में गहन प्रशिक्षण दिया गया। युद्धाभ्यास के तहत सितारों से दिशा-ज्ञान, घात लगाना, रेडियो संचार, हथियार चलाना, हथियारों से वाक़फ़ियत और सामरिक रणनीतियाँ सिखाकर कैडेटस की व्यावहारिक दक्षता को विकसित किया गया।कैडेटस को अपने इतिहास से जोड़ने के उद्देश्य से यशोधर्मन विजय स्तंभ का शैक्षिक भ्रमण कराया गया, जिसने उनमें राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रबल किया। टीम ने आपदा प्रबंधन के तहत राहत एवं बचाव तकनीकों का प्रशिक्षण दिया, जबकि जिला ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों पर आधारित सत्र ने उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। योग प्रशिक्षक श्री महेश कुमावत ने योग सत्र के माध्यम से तन-मन की एकाग्रता और संतुलन के महत्व को रेखांकित किया। वहीं डॉ. हिना हरित ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर व्याख्यान देकर कैडेटस को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी द्वारा थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया पर बच्चों को जानकारी दी गई, साथ ही 80 कैडेटस की थैलेसीमिया जांच कराई गई। शिविर के दौरान खेलकूद, चित्रकला व अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिससे कैडेटस की बहुआयामी प्रतिभाओं को उजागर करने का अवसर मिला। यह वार्षिक प्रशिक्षण शिविर न केवल सैन्य अनुशासन और रणनीतिक दक्षता का मंच बना, बल्कि कैडेटस को सामाजिक सरोकार, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक पहल भी साबित हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से अच्छे निशानेबाज , अच्छे परेड करने वाले छात्र, अच्छे वक्ताओं तथा सांस्कृतिक प्रतिभा वाले कैडेटस का चयन किया गया जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जाएगा । एनसीसी बटालियन की मंदसौर में स्थापना के बाद स्थानीय महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में एनसीसी इकाई प्राप्त करने की होड सी लग गई है। कमान अधिकारी ने बताया कि आगामी सत्र में उन्हीं संस्थाओं को एनसीसी का अवसर दिया जाएगा, जो हमारे निर्धारित मानदंडों पर खरी उतरेंगी। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को देशसेवा की ओर प्रेरित करना और उनमें समर्पण एवं अनुशासन की भावना विकसित करना है।

मंदसौर किराना व्यापारी संघ की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर किराना व्यापारी संघ रजिस्टर्ड की एरिया प्रमुखों के साथ मीटिंग मंदसौर नगर के एक निजी रेस्टोरेंट (जेनी रेस्टोरेंट) रेवास देवड़ा रोड पर सोहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। मीटिंग के अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक सफदर भाई व संजय तरवेचा के द्वारा की गई। कार्यक्रम में सभी बोर्ड मेंबर वह व्यापारियों की उपस्थिति में नए अध्यक्ष पद के लिए चर्चा हुई। बोर्ड मेंबर व पदाधिकारी श्री शरद् धींग (अध्यक्ष) हरीश अग्रवाल मनोहर नेनवानी सुनील पारीक निलेश पारीक हिम्मत लोडा बृजलाल नेनवानी मितेश तरवेचा व एरिया प्रमुखों की उपस्थिति में कई नाम पर विचार करने के पश्चात सर्व सहमति से संजय जैन (श्वेता एजेंसी) को अध्यक्ष पद पर चुना गया।

उपरोक्त जानकारी देते हुए मंदसौर किराना व्यापारी संघ महामंत्री रत्नेश कुदार ने बताया कि पूरी कार्यकारिणी बनाने के लिए अध्यक्ष श्री संजय जैन श्वेता को ही अधिकृत किया गया है। बैठक में एरिया प्रमुख श्री बंटी सोमानी गोपाल परवानी सेठिया किराना रवि मेहता राहुल तरवेचा पीयूष मुरडिया मुकेश डोसी श्रीनाथ किराना श्याम किराना रूपनारायण मोदी पोरवाल किराना नंदलाल नानालाल गुरु नानक किराना विमल हडपावत गोविंद किराना योगेंद्र किराना केसरी मल सागरमल अनूप पोरवाल किराना अजीत खटोड माहेश्वरी किराना धनोतिया किराना डोसी किराना पोरवाल किराना शिव शक्ति सुपर बाजार प्रदीप किराना सुरेश बंकट लाल प्रदीप संघवी किराना नेमीचंद खिमेसरा सहित बड़ी संख्या में किराना व्यापारी उपस्थित थे। किराना व्यापारियों के द्वारा नवीन अध्यक्ष संजय जैन श्वेता का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में व्यापारीगणों श्री संजय जैन श्वेता के अध्यक्ष चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और आगामी समय में होने वाले संघ के कार्यक्रमो में बढ़चढ़कर भागीदारी करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन संरक्षक संजय तरवेचा के द्वारा किया गया। आभार मंदसौर किराना व्यापारी संघ महामंत्री रत्नेश कुदार ने माना। उपरोक्त जानकारी संजय तरवेचा के द्वारा दी गई।

मप्र के लॉ कॉलेजों पर मंडरा रहा खतरा, उच्च शिक्षा विभाग ने मांगी रिपोर्ट

भोपाल, 04 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों से संबद्धता प्राप्त कई विधि कॉलेजों की संबद्धता अब खतरे में आ सकती है। उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त निशांत वरवड़े ने सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को पत्र भेजकर उनसे ऐसे कॉलेजों की जानकारी मांगी है, जहां एलएलबी और बीए एलएलबी के पाठ्यक्रम संकाय के रूप में संचालित हैं और जहां रूल्स ऑफ लीगल एजुकेशन का पालन नहीं हो रहा है।

कॉलेजों का रूल्स ऑफ लीगल एजुकेशन के अनुरूप होना अनिवार्य- बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्देश पर जारी इस आदेश में विश्वविद्यालय प्रबंधन को तीन दिन का समय देकर उनसे सभी कॉलेजों की जानकारी एक सूची के रूप में भेजे जाने की बात कही गई है। उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त ने कहा कि प्रदेश के विधि महाविद्यालयों को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया समय-समय पर जानकारी मांगता है, खास तौर पर कॉलेजों का रुल्स ऑफ लीगल एजुकेशन के अनुरूप होना अनिवार्य होता है। इसके चलते अब विधि कॉलेज संचालकों को दोबारा से अपने कालेजों की संबंधित जानकारी उच्च शिक्षा विभाग को देनी होगी।

विधि कॉलेज को संचालित करने के लिए कुछ नियम- विधि कॉलेज संचालन के लिए रूल्स ऑफ लीगल एजुकेशन के अंतर्गत, किसी भी विधि कॉलेज को संचालित करने के लिए कुछ नियम और विनियम निर्धारित हैं। ये नियम मुख्य रूप से बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित किए गए हैं, जो भारत में कानूनी शिक्षा के विनियमन के लिए जिम्मेदार है। जिनमें कुछ मुख्य नियम और विनियम इस प्रकार हैं। संबद्धता : किसी भी विधि कॉलेज को संचालित करने के लिए, उसे पहले किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त करनी होगी। संबद्धता के लिए, कॉलेज को विश्वविद्यालय की टीम द्वारा निरीक्षण से गुजरना होगा और फिर संबंधित राज्य सरकार से एनओसी प्राप्त करना होगा। **प्रवेश :** विधि कॉलेज में प्रवेश के लिए, उम्मीदवारों को कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगा, जैसे कि किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 102 या स्नातक की डिग्री होना। **पाठ्यक्रम :** विधि कॉलेज को बीसीआइ द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार ही शिक्षण प्रदान करना होगा, पाठ्यक्रम में कम से कम 30 घंटे का शिक्षण शामिल होना चाहिए, जिसमें प्रतिदिन कम से कम पांच घंटे का शिक्षण और 30 मिनट का अवकाश शामिल है। **शिक्षण :** विधि कॉलेज में शिक्षण के लिए, योग्य और अनुभवी शिक्षकों की नियुक्ति किया जाना अनिवार्य है। **अधोसंरचना :** विधि कॉलेज में पर्याप्त अधोसंरचना, मसलन पुस्तकालय, व्याख्यान कक्ष आदि होना आवश्यक है। **अध्ययन :** विधि कॉलेज में छात्रों को अध्ययन के लिए पर्याप्त समय और अवसर दिए जाने चाहिए. विधि कॉलेज में छात्रों को कानूनी शिक्षा के साथ-साथ अन्य आवश्यक कौशल भी प्रदान किए जाने चाहिए।

मंदसौर
से अहमदाबाद
एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे
(व्हाया-नीमच, उदयपुर)
जय श्री गणेश ट्रेवल्स
स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर
मो-9407259243, 8871603134

शिवना शुद्धिकरण

पूर्व विधायक शिवना शुद्धिकरण का काम नहीं कर पाएं। वहीं
श्री विपीनजी जैन
कांग्रेस विधायक ने शिवना शुद्धिकरण का काम करके दिखाया।
शिवना मैय्या को देखकर
मन गद-गद हो गया...
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
प्रहलाद शर्मा
मित्र मण्डल, मंदसौर

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट 2025

5 जून 2025 | प्रात: 11:00 बजे
होटल अंजुश्री, उज्जैन, मध्यप्रदेश

स्वास्थ्य और आरोग्य के नये युग में प्रवेश

भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश के उज्जैन में पहली बार आयोजित होने जा रहे 'स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट' का अनुभव करें — जहां आयुर्वेद, योग और समग्र जीवन शैली के वैश्विक विशेषज्ञ और अग्रणी चिन्तक एकत्र होकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, ताकि एक समग्र, चैतन्य और संतुलित जीवनशैली के भविष्य को सही दिशा दी जा सके।

आइये, भारत में आध्यात्मिक और समग्र कल्याण के नए केंद्र के रूप में उभर रहे मध्यप्रदेश के उज्जैन में वैश्विक कल्याण के भविष्य को आकार देने वाले अनूठे अनुभव का हिस्सा बनें।

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मुख्य आकर्षण एवं गतिविधियां

पैनल डिस्कशन
- साझेदारी मॉडल पर विचार-विमर्श
- वेलनेस ईकोसिस्टम और कार्यबल का निर्माण

मुख्यमंत्री के साथ वन-टू-वन मीटिंग्स

वेलनेस विज़निंग (स्वास्थ्य कल्याण परिकल्पना)

वेलनेस सेशंस (स्वास्थ्य कल्याण सत्र)

नॉलेज पार्टनर
EY
Shape the future with confidence

इण्डस्ट्री पार्टनर
CII
Confederation of Indian Industry

D-11039/25

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in